following criteria define an organisation of All India character:

- (i) Organisations having active branches in more than one State.
- (ii) Organisations which have got the status of institutes of National Importance,
- (iii) Institutes which give admission after having All India Competition.

Admission of boys and girls from other States though necessary may not by itself be adequate for being categorised as an organization of All India character.

- (c) An institution for girls will also need to satisfy the criteria mentioned in part (a) for coming under this category.
- (d) No application was received through the State Government of Uttar Pradesh from the Madarsatul Banat, Mangrawan, Azamgarh, Uttar Pradesh for financial assistance.

Drop out in various level of education

- 4118. SHRI JOYANTA ROY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DE-VELOPMENT be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that tht drop out in the primary. Secondary, Higher Secondary and University level education constantly increasing in the country;
 - (b) if so, the reasons thereof;
- (c) the detailed report of he drop out in stage-wise and state-wise; and
- (d) whether Government have any comprehensive action plan to meet the situation?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Drop out rates are maintained at the primary and

Secondary Stage. These rates have generally been declining.

- (b) Does not arise.
- (c) Details of drop out in stagewise and state-wise upto Secondary stage are available in the Annual Report of the Department for the year 1994-95.
- (d) The National Policy on Education (NPE), 1986 and Programme of Action, 1992 spell out strategies for reduction of drop outs. The implementation of the strategies at the primary and upper primary stage was reviewed in a recent meeting of the State Education Ministers held on 4th April, 1995.

सबके लिये शिक्षा संबंधी दिल्ली भोषणा

- 4119. श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी : क्या मानव संराधन विकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) सब्के लिए शिक्षा संबंधी दिल्ली घेषण में स्वीकार किए गए संकल्प की क्रावर्ती कार्रवाई के रूप में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं इयवा उठाए जाने का विचार है;
 - (ब) तर बंधी ब्योरा क्या है;
- (ग) इस देशों का स्थीर क्या है जो इस प्रयोजनार्थ भारत को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं;
- (घ) गतः तील वर्षो के दौरान वर्य-वार कितक। विदेशी सहाथता प्राप्त हुई है और उक्त प्रवधि के दौरान राज्य-वार कितना भ्रावंटन थिए गनार कोर
- (ङ) यदि हां, तो तत्सबंधी **ब्योरा** क्या है ?

मःनद्ध संसाधम विकास मंद्रालय (शिक्षा विमाग ग्रौर संस्कृति विमाग) में उप मंत्री (कुमानी शैलजा): (क) ग्रौर

(ख) 16 दिसम्बर, 1993 को नई दिल्ली में नो बहुल जनसंख्या वाले देशों के तभी के लिए शिक्षा संबंधी शिखर सम्मेलन में की गई दिल्ली घोषणा व ग्रपनाया गया कार्रवाई हांचा ग्रावश्यक रूप से "राष्ट्रीय शिक्षा मीति" (रा.शि.नी.) 1986 व इतकी कार्रवाई योजना में दिए गए प्रान्धानो को प्रतिबिम्बत करता है। सभी के लिए शिक्षा के संगत मामलों पर विचार करने के लिए 15 फरवरी, 1994 को मुख्य मंत्रियों का एक सम्मेलन विशेष रूप से द्यायोजित किया गया था । मुख्य मंतियों ने सभी के लिए शिक्षा उनलब्ब कर ने की ग्रपनी वचनबद्धता को दृढ़ता से दोह तथा। यह सर्वसम्मति थी कि सभी के लिए शिक्षा को देश की विकाशात्मक का रेसुची में ऊंचा स्थान दिया जाना चाहिए । राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केन्द्रे व राज्य एक दृढ़ संकल्प के सार्थ मिलकर कार्य करेंगे । इस बात पर सहमति व्यवत की गई थी कि शताब्दी के ग्रांत तक शिक्षा के परिवर्ध की संग्रह घरेल उत्पाद का 6 प्रांतशात तथ बढ़ा दियां जाएगा । संसाधनों को जुटाने, राज्य योजनात्रों में प्राथानक शिक्षा ग्रीर प्रीढ शिक्षा को उच्च प्राथमिकता प्रदान करने और शिक्षा प्रबंध को विकेन्द्रीकृत करने

में भी केन्द्रीय सरकार के प्रयत्नों में सहयोग देगा । 4 अप्रैल, 1995 को आयोजित सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा मंत्रियों की एक बैठक में इसका अनुसरण किया गया, जिसमें नामांकन को बढ़ाने और विशेषकर लड़कियों तथा समाज के अलाभान्वित वर्गों में स्कूल बीच में छोड़ने वालों की संख्या कम करने के लिए क्षेत्र विशेष योजनाएं बनाने का निर्णय किया गया ।

(ग) दिश्व का अनुभव यह है कि
सभी के लिए शिक्षा प्राप्त करने के
उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए साधन
देश से ही जुटाने चाहिए और बाहरी
सहायका, राष्ट्रीय प्रक्तों के लिए केशल
उत्प्रेरका तथा समर्थक हो सकती हैं।
भारत में बुक्तियादी शिक्षा के लिए निधि
प्रदान करने वाली बहुपक्षीय तथा दिपक्षीय
एजेंसियों में विश्व वैक, यूरोपीय सपुदाय,
यूनीसेफ, श्रीयरफीज डेन्डानेंट एडामिनस्ट्रेशन (रूक्ते), स्वीडन अन्तर्राष्ट्रीय
विकास एजेंसी श्रीर रायल नीयरलैंडस
गर्वनमेंट है।

्ष) ग्रीर (ङ) एक विवरण संलग्न है।

विवरण

विदेशों से र:हायता प्राप्त परियोजनाओं का संक्षेप

(रु० करोड़ में)

-	परियोजना का नाम		दाता एजेंसी	राज्य का नाम	प्राप्त सहायता		
ऋ म सं ०					1992-	1 993	3- 1994
					93	94	95
1	2		3	4	5	6	7
1.	उत्तर प्रदेश बुनियादी शिक्षा परियोजना सभी के लिए जिला परियोजना		विश्व वैंक	उत्तर प्र देश	धून्म	5. 45	35.12
2.	(i)	जिला प्राथनिक गिक्षा (जिला विशिष्ट)	विश्व बैक	श्रसम, हरियाणा, कर्नाटक, केरल महाराष्ट्र, तमिलनाडु) जून्य र, }	झ्च्य	श् त्य

कर्नाटक, उत्तर प्रदेश

Film Institutes and NSD in the country

4120. SHRI SATISH PRADHAN: Will the Minister of HUMAN RE-SOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

- (a) the number of Film Institutes and National School of Drama currently existing in the country, statewise:
- (b) what are the curricula set up for the students of Film Institutes and NSD;
- (c) the number of students having completed their courses during last 3 years; and

(d) whether the Doordarshan and Akashwani have been consulted for evaluing the curricula?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDU-CATION AND DEPTT, OF CULTURE) (KUMÁRI SELJA): (a) Under Government οĩ India there is a National School of Drama in Delhi and a National Film and T.V. Institute in Pune.

- (b) The information is at statement (See below).
- (c) The total number of students trained by the National School of Drama in the last 3 years is 60. In the case of the Film & T.V. Institute